|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | De : | SLR <slr@rcs-associes.com> | | Objet : | <Sans objet> | | À : | 'Richard Bouskila' <bouskilabillion@free.fr> | | |  | | --- | | mer., 24 sept. 2014 19:27 | | [1 pièce jointe](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=8&so=25&sc=290272&st=message&id=195946&action=rowView#attachments) | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | [Répondre](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=8&so=25&sc=290272&st=message&id=195946&paction=view&action=compose&rf=text&op=reply) |  | [Rép. à tous](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=8&so=25&sc=290272&st=message&id=195946&paction=view&action=compose&rf=text&op=replyAll) |  | [Faire suivre](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=8&so=25&sc=290272&st=message&id=195946&paction=view&action=compose&rf=text&op=forward) |  | [Imprimer](http://zimbra.free.fr/h/printmessage?id=195946&1) | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | |  |  |  |  | | | | Cher Monsieur,     Vous avez raison, mes honoraires représentent une dépense conséquente.     Par ailleurs vous avez déjà un avocat et je ne saisis pas l’intérêt pour vous d’un second avocat.     Je comprends de votre dernier mail que vous n’avez pas les fonds nécessaires à mon intervention dans votre dossier et que même si vous parveniez à payer la première provision, vous ne serez pas en mesure de payer la suivante.     Vous comprendrez dans ces conditions que je ne peux accepter de vous voir vous endetter pour payer mes honoraires ni que je peux accepter que vous me donniez « tout » ce que vous avez. Ce n’est pas comme cela que je conçois le rôle de l’avocat.     Dès le premier mail, je vous ai fait part de mes conditions. Je ne les changerai pas.      En revanche, vous-même devez comprendre que toute peine mérite salaire et que c’est moi qui fixe les conditions dans lesquelles j’accepte un dossier.     Par ailleurs, je refuse d’avoir des clients qui estiment pouvoir m’écrire des phrases comme : « vous vous rendez compte de combien vous demandez ? …. Vous croyez que ça se ramasse par terre ? »     Dans ces conditions, je refuse votre dossier.     Cordialement              Sophie-Laurence ROY-CLEMANDOT  Avocat à la Cour          RCS & Associés  66 rue de la Pompe  75116 PARIS  01 45 04 26 26 – Fax 01 45 04 47 80  [www.rcs-associes.com](http://www.rcs-associes.com/)      |  |  | | --- | --- | |  | **image003.png** 17 ko  [Afficher](http://zimbra.free.fr/service/home/~/?id=195946&part=2&auth=co&disp=i)  [Télécharger](http://zimbra.free.fr/service/home/~/?id=195946&part=2&auth=co&disp=a) | | | | |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | [Actualiser](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?st=message) |  | [Rédiger](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=8&so=25&sc=290272&st=message&paction=rowView&action=compose) |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | De : | SLR <slr@rcs-associes.com> | | Objet : | <Sans objet> | | À : | 'Richard Bouskila' <bouskilabillion@free.fr> | | |  | | --- | | jeu., 25 sept. 2014 11:22 | | [1 pièce jointe](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=0&so=0&sc=290272&st=message&id=196021&action=view#attachments) | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | [Répondre](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=0&so=0&sc=290272&st=message&id=196021&paction=view&action=compose&rf=text&op=reply) |  | [Rép. à tous](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=0&so=0&sc=290272&st=message&id=196021&paction=view&action=compose&rf=text&op=replyAll) |  | [Faire suivre](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=0&so=0&sc=290272&st=message&id=196021&paction=view&action=compose&rf=text&op=forward) |  | [Imprimer](http://zimbra.free.fr/h/printmessage?id=196021&1) | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | |  |  |  |  | | | | Monsieur,     Vous signez une convention qui précise que les honoraires sont payables par provision et vous râlez que je n’ai pas travaillé alors que je n’ai pas reçu la provision !     Vous prétendez l’avoir payée et vous accusez ma secrétaire de l’avoir ? perdue ? détournée ? C’est inacceptable.     Comme je vous l’indiquais hier :     1 - je ne peux accepter de vous voir vous endetter pour payer mes honoraires. Ce n’est pas comme cela que je conçois le rôle de l’avocat.  2 – je n’ai pas convenance à travailler pour un client qui n’envisage pas de tenir ses engagements.      Il est inutile que cette conversation se poursuive. Il y a plus de 20.000 avocats à Paris. Vous en avez déjà un autre que moi.     Si vous tenez vraiment à avoir plusieurs avocats, vous en trouverez d’autres.     Quant à moi, je vous répète que je ne veux pas de votre dossier.     Cordialement         Sophie-Laurence ROY-CLEMANDOT  Avocat à la Cour          RCS & Associés  66 rue de la Pompe  75116 PARIS  01 45 04 26 26 – Fax 01 45 04 47 80  [www.rcs-associes.com](http://www.rcs-associes.com/)      |  |  | | --- | --- | |  | **image003.png** 17 ko  [Afficher](http://zimbra.free.fr/service/home/~/?id=196021&part=2&auth=co&disp=i)  [Télécharger](http://zimbra.free.fr/service/home/~/?id=196021&part=2&auth=co&disp=a) | | |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | [Retour à Boîte de réception](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=0&so=0) |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | |